राजधानी
वर्ष 12 | अंक 153 | पृष्ठ : 20+8=28
मूल्य : चार रुपये

6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

लखनऊ
शनिवार, 30 नवंबर 2019

प्रदेश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास को पंख लगाएगा जेवर एयरपोर्ट

एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा, एक लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

सचिन मुद्गल

लखनऊ। जेवर ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही औद्योगिक विकास को पंख लगाएगा। एयरपोर्ट के लिए केवल भूमि अधिग्रहण पर चार हजार करोड़ रुपये के खर्च से प्रदेश सरकार को वर्ष 2060 तक एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की आय होगी। वहीं एक लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

नागरिक उड्डयन विभाग ने वित्तीय निविदा से पहले अनुमान लगाया था कि 100 रुपये प्रति यात्री बिड आने पर सरकार को 2060 तक 35 हजार करोड़ की आय होगी। 150 रुपये प्रति यात्री बिड आने पर 46 हजार करोड़ रुपये की आय होगी। शुक्रवार को दिल्ली में खोली गई वित्तीय निविदा में ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल ने 400.94 रुपये प्रति यात्री की सबसे ऊंची बोली लगाई है। विभाग के अनुमान के अनुसार इससे 2060 तक राज्य सरकार को 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक आय होगी। नागरिक उड्डयन विभाग ने निवेश के आउटपुट मल्टीप्लायर के सिद्धांत के आधार पर अनुमान लगाया है कि एयरपोर्ट पर 30 हजार करोड़ रुपये का निवेश होने से नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास करीब एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा। वहीं जॉब मल्टीप्लायर के सिद्धांत के अनुसार अनुमान है कि इससे 15 हजार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और 90 हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

कार्गो परिवहन का भी बड़ा केंद्र बनेगा

जेवर एयरपोर्ट माल परिवहन (कार्गो) का भी बड़ा केंद्र बनेगा। फेज 1 में 7.5 लाख टन, फेज 2 में 10 लाख टन, फेज 3 में 15 लाख टन और फेज 4 का निर्माण पूरा होने पर एयरपोर्ट से प्रतिवर्ष 20 लाख टन माल का परिवहन हो सकेगा।

यह भी खास

- 1334 हेक्टेयर एरिया में 4588 करोड़ रुपये से बनेगा पहला चरण
- 2023 में पहला चरण पूरा कर उड़ान संचालित करने की योजना
- 85 फीसदी जमीन का अधिग्रहण किसानों से हो चुका है पूरा
- 03 एयरपोर्ट हो जाएंगे दिल्ली-एनसीआर में निर्माण पूरा होते ही
- 02 जगह इंदिरा गांधी इंटरनेशनल व हिंडन एयरपोर्ट से उड़ते हैं अभी विमान

फेज 1 में होंगे ये कार्य

■ 4150X60 मीटर का रन-वे। ■ रन-वे के समानांतर टैक्सी-वे। ■ 90 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में 2750 यात्रियों के बैठने की क्षमता की टर्मिनल बिल्डिंग। ■ 50 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में कार्गो टर्मिनल बिल्डिंग। ■ एटीसी बिल्डिंग। ■ मेंटेनेंस बिल्डिंग। ■ मैनेजमेंट बिल्डिंग। ■ अग्निशमन और इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन।

आसान नहीं था निजी भूमि का अधिग्रहण

जेवर एयरपोर्ट के लिए कुल 1334 हेक्टेयर जमीन चिह्नित की गई थी। इसमें से 1239.1416 हेक्टेयर भूमि निजी थी। शुरुआती दौर में किसानों, आवासीय एवं व्यावसायिक भूमि के मालिकों ने जमीन नहीं देने का एलान किया। किसानों ने भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन भी किया, लेकिन अंततः प्रदेश सरकार के प्रयास, आकर्षक मुआवजा और पुनर्स्थापना योजना के बाद किसान जमीन देने को तैयार हुए। सरकार ने 50.5250 हेक्टेयर भूमि पर 2637 विस्थापित परिवारों को पुनः बसाया है। एयरपोर्ट के लिए अब तक 82 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो गया है। इस पर राज्य सरकार, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और युमना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने कुल 4078.38 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

अब वित्तीय निविदा का परिणाम दो दिसंबर को पीएमआईसी (प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग एंड इंप्लीमेंटशन कमेटी) की बैठक में रखा जाएगा। यहां से मंजूरी के बाद यह प्रस्ताव प्रदेश कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। वहां से मुहर लगते ही कंपनी को यह काम आवंटित कर दिया जाएगा। इस प्रक्रिया में एक माह लग जाएंगे। उसके बाद दो माह में कंपनी काम शुरू कर सकती है। - **डॉ. अरुणवीर सिंह,** सीईओ, नियाल

जेवर के नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की निविदा में सबसे आगे रहने की खुशी है। यहां बहुत संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास, यातायात के अच्छे विकल्प हैं। यहां का अनुभव अच्छा रहेगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को जल्द ही 5 लाख करोड़ के पार ले जाने की बात कही है। इसलिए सब कुछ अच्छा रहेगा। यहां की सर्वे रिपोर्ट भी बेहतर आई हैं। - **डेनियन बर्चर,** सीईओ, ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी